



चचेरी बहन की चुदाई-1

“जब मैं कॉलेज में था तो अक्सर अपने चाचा के घर पर चला जाता था. अपने घर पर तो मेरा मन ही नहीं लगता था. वहाँ पर मुझे जो जन्नत मिली, वही इसी कहानी में आपको बता रहा हूँ. ...”

Story By: (neerajsexy)

Posted: Thursday, February 28th, 2019

Categories: भाई बहन

Online version: [चचेरी बहन की चुदाई-1](#)

चचेरी बहन की चुदाई-1

प्रिय दोस्तो, मैं नीरज (बदला हुआ नाम) हूँ. अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली कहानी है और बिलकुल सत्य है. लिखने में कोई गलती हो जाए तो माफ़ करना. मैंने अन्तर्वासना की सभी कहानी पढ़ी हैं, लेकिन मुझे भाई-बहन की कहानी पढ़ने में बहुत मजा आता है। फिर मैंने भी अपनी कहानी लिखने की सोची।

उससे पहले मैं आप सब को अपने बारे में कुछ बता देता हूँ. मेरा लंड 6 इंच लम्बा और 3 इंच मोटा है जो कि किसी भी लड़की या औरत को खुश कर सकता है।

ये कहानी मेरी और मेरी कज़िन बहन की है। वो बहुत सुन्दर है, दिखने में बहुत अच्छी लगती है। उसका बड़ा ही सेक्सी फिगर है जो 34-30-32 है। मैं उसको देखता हूँ तो मेरी आँखें मेरी बहन के बदन पर से हटती ही नहीं। मैं और मेरी बहन दोनों आपस में सब बातें शेयर करते हैं, चाहे वो कुछ भी हो। मैं जयपुर में पढ़ाई करता हूँ और यह बात तब की है जब मैं ग्रेजुएशन के तीसरे साल में था उस वक्त.

मेरी बहन ग्रेजुएशन के पहले साल में थी। मैं अपने घर कभी-कभी जाता था। मेरा और मेरी उस चचेरी बहन का घर थोड़ी दूरी पर ही था।

मैं घर जाता तो मेरे घर पर मन नहीं लगता था, तो मैं अपने घर से ज्यादा उसके घर पर ही रहता था। मैं उसको देखकर बहुत खुश हो जाता और मैं उसको अपनी बाँहों में भर लेता था।

एक दिन ऐसे ही जब मैं उसके घर पर गया तो मैंने उसको जाते ही हग कर लिया और उसको अपनी बाँहों में कस कर भर लिया. उसकी चूचियां मेरे सीने पर लगीं तो मेरा लंड खड़ा हो गया जो शायद उसको भी फील हुआ. थोड़ी देर हम ऐसे ही खड़े रहे। फिर हम डर की वजह से जल्दी ही अलग हो गए।

उसके बाद मैं उसके साथ बैठ गया. हमने बैठ कर बहुत सारी बातें कीं जो इतने दिनों से नहीं हो पा रही थीं।

फिर एक दिन वो हमारे घर पर आयी थी और 5-7 दिन रुकी रही। एक दिन की बात है जब वो और मैं एक ही रूम में एक डबल बेड पर सो रहे थे और एक सिंगल बेड पर हमसे दूर मम्मी सो रही थी। रात को मेरी नींद खुल गयी तो मैंने उसकी तरफ देखा तो उसका मुँह मेरी ही तरफ था. मैंने उसको देखा तो सोते हुए बहुत अच्छी लग रही थी. मैं उसको देखता रहा। वो जैसे-जैसे साँस ले रही थी उसके चूचे ऊपर नीचे हो रहे थे जो मुझे अपनी ओर खींच रहे थे.

मेरी धड़कन तेजी से चलने लगी और मेरा गला सूख गया. मैंने थोड़ा सा पानी पीया, फिर मैं सोने की कोशिश करने लगा लेकिन मुझे नींद नहीं आ रही थी और मेरी आँखों के सामने उसकी हिलती हुई चूचियां दिखने लगीं और मेरा मन जवाब दे गया. उसके बाद मैं उसके पास चला गया। मैं उसको गौर से देखने लग गया।

फिर मैंने अपना एक हाथ उसके पेट पर धीरे से रख दिया. मैं ऐसे एक्ट कर रहा था जैसे मैं सोया हूँ, मैंने कुछ इस तरह का नाटक किया. मैंने बहुत देर तक तो कुछ नहीं किया फिर मुझे लगा कि बहन गहरी नींद में सो रही है तो मैं धीरे-धीरे अपने हाथ को ऊपर की तरफ ले गया और धीरे से उसकी बायीं चूची पर रख दिया और थोड़ी देर तक बिल्कुल हिलाया नहीं।

जब मुझे यकीन हो गया कि वो गहरी नींद में सो रही तो मैं धीरे-धीरे उसकी चूचियों को दबाने लग गया. फिर मैंने अपने होंठ उसके होंठ पर रख दिए और चूसने लगा. सच कहूँ तो मुझे ये सब करने में डर लग रहा था लेकिन मजा भी बहुत आ रहा था. कभी उसके ऊपर वाले होंठ को तो कभी नीचे के होंठ को, कभी उसके कानों के

पीछे चूम लेता तो कभी उसकी लड़ी को चूमता। अब उसकी सांसें तेज होने लग गई। एक हाथ से मैं चूची को दबा रहा था और एक हाथ से उसके टॉप को मैंने ऊपर कर दिया और ब्रा के ऊपर से चूचों को दबाने लगा।

रात के अँधेरे में देख तो नहीं पा रहा था, बस महसूस कर रहा था।

फिर एक हाथ को पीछे ले जाकर उसकी ब्रा के हुक को खोल दिया और ब्रा को ऊपर करके दबाने लगा। उसके बूब्स बहुत ही सॉफ्ट थे जो मेरे एक हाथ में अच्छे से समा भी नहीं पा रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे क्रि रुई को दबा रहा हूँ। फिर एक हाथ को धीरे-धीरे नीचे ले गया और लोअर के ऊपर से ही उसकी चूत पर रख दिया। इधर मेरा लंड लोअर में से फाड़ कर निकलने को हो रहा था। फिर मैं उसकी चूत को धीरे से दबाने लगा।

मुझे उसका लोअर गीला महसूस हुआ। फिर धीरे-धीरे मैं अपने हाथ को उसके लोअर के अंदर ले गया और उसकी पैंटी में उसकी चूत पर रख दिया जो कि बहुत गीली और फूली हुई लग रही थी।

पैंटी के ऊपर से ही उसकी चूत में उंगली करने लग गया और पैंटी की साइड से चूत में उंगली करने लगा जो कि बहुत ही ज्यादा कामरस से भीगी हुई थी। धीरे से मैंने एक उंगली उसकी चूत में डाल दी। फिर धीरे-धीरे उंगली अंदर बाहर करने लगा और एक हाथ से ऊपर उसके बूब्स दबा रहा था और दूसरे बूब्स को मुँह से चूस रहा था।

इस सब ने मुझे बहुत ही कामोत्तेजित कर दिया। फिर धीरे से मैंने अपना लंड लोअर से बाहर निकाल लिया जो कि बहुत ही दर्द कर रहा था। मैंने लंड को उसकी चूत के ऊपर पर रख दिया और धीरे-धीरे हिलने लगा।

थोड़ी देर तक मैं ऐसा ही करता रहा। थोड़ी देर में उसका शरीर अकड़ने लगा और वो झड़ गयी और उसने मुझे अपने से अलग कर दिया। उस रात मैं उसे चोद नहीं पाया और मैंने अपने लंड को हिला कर झाड़ लिया और मैं अपना लोअर पहन कर करवट बदलकर सो

गया।

सुबह जब मैं जागा तब तक वो जाग चुकी थी, पर मैं उससे आँखें नहीं मिला पा रहा था, लेकिन वो पहले की तरह ही व्यवहार कर रही थी जैसे पहली रात को कुछ हुआ ही नहीं। फिर मैं फ्रेश होकर नाश्ते के लिए तैयार हो गया। हम दोनों ने साथ में नाश्ता किया।

उस दिन इससे ज्यादा कुछ नहीं हो पाया। फिर रात को हम दोनों उसी बेड पर सो गए। फिर इस रात भी मुझे नींद नहीं आई क्योंकि मुझे तो उसकी चूत को छेड़ने का चस्का लग चुका था। मैंने धीरे से बहन के पास लेटकर उसके पेट पर हाथ रख दिया और धीरे से टॉप को ऊपर करते हुए उसके चूचों पर जाकर रुक गया।

फिर धीरे-धीरे उसके चूचों को दबाने लगा, फिर मैंने उसकी टॉप को थोड़ा ऊपर कर दिया और हाथ को उसकी ब्रा के ऊपर रखकर दबाने लगा। फिर मैंने दूसरे हाथ से धीरे से उसकी ब्रा के हुक खोल दिए और उसके बूब्स को ब्रा से बाहर निकाल दिया। उनको हाथ में लेकर दबाने लगा। फिर धीरे से अपने मुँह को उसके बूब्स पर रखकर चूसने लगा और उसकी निप्पल को दांतों से काट देता था। वो थोड़ी सी हिली तो मैं थोड़ा रुक गया और फिर से चूसने लगा। उसके बाद मैंने दूसरे मम्मे को दबाना शुरू किया और तुरंत ही मैंने अपने होंठों को उसके होंठों पर रखकर बहन को चूमने लगा।

लेकिन उसने अपना मुँह नहीं खोला। मगर मैं कभी उसके ऊपर के होंठ को चूम रहा था तो कभी नीचे वाले होंठ को। फिर मैंने उसके कान के नीचे से आते हुए अपने होंठों से उस भाग को चूमने लगा। एक हाथ को नीचे ले जाकर उसकी चूत के ऊपर उसके लोअर के ऊपर रख दिया और दबाने लगा। उसके बाद मैंने फिर हाथ को उसकी पैंटी के अंदर घुसा दिया और उसकी चूत पर रख दिया जो कि गीली हो रही थी और बहुत ही गर्म थी जैसे भट्टी जल रही हो।

धीरे से मैं चूत को मसलने लगा। कभी उसकी चूत में उंगली कर देता और कभी मैं अपनी

सुन्दर बहन के ऊपर के बूब्स को चूस रहा था.

फिर उसकी नाभि को चूसने लगा और उंगली को उसकी चूत में अंदर-बाहर करने लगा और मेरी इन हरकतों के कारण वह झड़ गयी और मेरे हाथ को अपनी टाँगों से भींच लिया। थोड़ी देर बाद मेरा हाथ उसने हटा दिया और करवट बदल कर सो गयी. आज भी मैंने अपने लंड की मुट्ठ मारनी पड़ी और सो गया। फिर जब तक 2-3 दिन वह घर पर रही तो यही सब चलता रहा पर इससे आगे कुछ नहीं हो पाया.

दो-तीन दिन ऐसा कोई मौका नहीं मिला कि मैं कुछ और इससे आगे भी कर सकूँ. मैं रोज उसके घर जाता और हम बात करते लेकिन कोई भी मौका नहीं मिला। फिर एक दिन चाचा-चाची कहीं शादी में गए थे और दूसरे दिन आने वाले थे और मुझे घर सोने के लिए बोल दिया. मैं मन ही मन खुश होने लगा कि आज तो बहन की चुदाई करने को मिलेगी और मेरी बहन शादी में नहीं गयी. उसने अपने मम्मी पापा से ये कह कर मना कर दिया उसके एग्जाम हैं। मैं चाचा-चाची को बस स्टॉप तक छोड़ आया और उसके घर आकर बैठ गया.

मैं वहीं घर में बैठकर टीवी देखने लग गया. वो भी मेरे पास आकर बैठ गई. हम टीवी देखने लग गए. मैं रिमोट से चैनल बदल कर मूवी देखने लगा. बहुत ही अच्छी मूवी आ रही थी. हम देखने लगे. फिर उसमें एक किस सीन आ रहा था. उसने देखा और शरमाकर अपनी नजरे नीचे कर लीं और वह वहाँ से चली गयी और रसोई में खाना बनाने लग गयी.

हमने दोनों ने ही साथ में खाना खाया और खाना खाकर फिर से टीवी देखने लग गए. 10 बजे उसने मुझसे बोला कि उसे नींद आ रही है और वह कमरे में सोने जा रही है. उसने मुझसे कह दिया कि जब सोना हो तो कमरे में आकर ही सो जाना. मेरी बहन ये बोलकर कमरे में चली गयी।

अब मेरा टीवी देखने में मन नहीं लग रहा था. उसके जाने के बाद से ही मेरे मन में एक

बेचैनी सी होने लगी थी. घर में हम दोनों के अलावा कोई भी नहीं था. इससे पहले मैं उसके बदन के साथ खेल भी चुका था. मगर आज तो मेरे पास मौका भी अच्छा था और मुझे किसी का डर भी नहीं था. मेरे मन में बार-बार उसकी चूत को देखने के ही ख्याल आए जा रहे थे. बार-बार उसके जिस्म को भोगने का प्लान बनाने लगा.

इसलिए थोड़ी देर बाद मैं टीवी बंद करके अन्दर चला गया. जब तक वो सो गई थी. मैंने सोने के लिए जगह देखने के लिए मोबाइल की लाइट जलाई कि मुझे किधर सोना है. मैंने देखा कि वो बेड पर एक साइड सो रही थी. वो सोती हुई बहुत अच्छी लग रही थी। उसने महरून कलर का गाउन पहन रखा था. वो नीचे घुटनों तक आ गया था. उसकी चिकनी टांगें मुझे साफ दिखाई दे रही थी। उसको देखकर मेरा लंड खड़ा हो गया। मुझे डर लग रहा था कि कहीं बहन जाग न जाये और मैं अपनी जगह पर आकर सो गया.

मैं बेड पर लेटा हुआ था लेकिन मुझे नींद नहीं आ रही थी और सोचने लगा कि कैसे शुरुआत की जाए. फिर मैं उसके बिल्कुल बगल में आकर लेट गया. थोड़ी देर तक ऐसे ही लेटा रहा, वो बिल्कुल सीधे सो रही थी।

कहानी अगले भाग में जारी रहेगी. कहानी पर अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए आप नीचे दिए गए मेल आई-डी पर मेल कर सकते हैं.

neerajsexy9222@gmail.com

कहानी का अगला भाग : [चचेरी बहन की चुदाई-2](#)

Other stories you may be interested in

मैं सम्भोग के लिए सेक्सी डॉल बन गई-3

अब तक की कहानी मैं सम्भोग के लिए सेक्सी डॉल बन गई-2 में आपने पढ़ा कि मैं सुखबीर के साथ सम्भोग करने के लिए सेक्सी डॉल बनकर चुदने को बेकाबू हो चुकी थी. मैं उत्सुकता से प्रतीक्षा करने लगी कि [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी बीवी मुझसे नहीं चुदती

बहुत छोटी उमर से ही सेक्स का ज्ञान हो गया था मुझे ... और अपने लंड को पकड़ कर मूठ मारने की आदत पड़ गई थी, हर लड़की को देख कर मैं उसके नाम की मूठ मारता था. ऐसी कोई [...]

[Full Story >>>](#)

टाइम पास लड़की को चोदा

यारो, मेरा नाम सनी है और मैं बिलासपुर, छत्तीसगढ़ का रहने वाला हूँ. आप सभी ने मेरी पिछली कहानी दोस्त की बहन की चूत चोद दी को बहुत पसंद किया और बहुत से पाठकों के मेल भी आए। मैं इस [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी मासूमियत का अंत और जवानी का शुरुआत-3

हैलो फ्रेंड्स, मैं सुहानी चौधरी फिर से अपनी सेक्स कहानी का अगला भाग ले के आपके सामने हाजिर हूँ। जैसा कि मैंने पहली कहानी में अपनी पहली दर्दनाक पर मजेदार चुदाई के बारे में बताया था। अगले दो दिन तक [...]

[Full Story >>>](#)

चूत की कहानी उसी की जुबानी-5

अगले दिन मैंने आरती से फिर पूछा- यार, एक बात सच सच बता ... यह प्रसंग कैसे लड़का है? जब भी मैं उसे देखती हूँ तो वो तुमको कुछ अजीब नज़रों से देखता है. वो बोली- यार, तुम्हें तो शक्र [...]

[Full Story >>>](#)

